(b) Instructions have been issued to all enforcement agencies to maintain the utmost vigil and step up enforcement efforts under the stringent provisions contained in the NDPS Act. Training is being imparted to officers to improve their effectiveness. Vehicles & communication equipments ha have been provided to enforcement agencies. Part of Indo-Pak Border has been fenced.

बिहार में कार्यरत बैंक

2624. श्री एस. एस. अहलुवालिया : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में इस समय राष्ट्रीयकृत बैंकों की कुल कितनी शाखाएं कार्यरत हैं और उनका जिला वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इनमें से कुल कितनी शाखाएं गत पांच वर्षों से घाटे में चल रही हैं और उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार घाटे में चलने वाली शाखाओं को बन्द करने पर विचार कर रही है; यदि नहीं, तो ऐसी शाखाओं को लाभप्रद बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ;

(घ) क्या सरकार बिहार में राष्ट्रीयकृत बैंकों की नई शाखाएं खोलने पर भी विचार कर रही है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. अबरार अहमद) : (क) दिनांक 30-6-1993 (अद्यतन उपलब्ध) की स्थिति के अनुसार बिहार में राष्ट्रीयकृत बैंकों की 2995 शाखाए कार्य कर रही थीं। इन बैंकों की जिलावार संख्या विवरण-1 में दी गई हैं। (नीचे देखिए)

(ख) सूचना एकत्र की जा रही है और यथा उपलब्ध सूचना सभा पटल पर रख दी जाएगी।

(ग) भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंको से प्रस्ताव किया है कि वे अपनी उन कुछ शाखाओं को या तो "वसूली" शाखाओं में बदल दें या फिर बद कर दें जो निरंतर घाटा उठा रही है और सभी प्रयासों के बावजूद, जिनकी वित्तीय स्थिति में सुधार की संभावना नहीं है। ऐसी शाखाओं की संख्या लगभग 100 है। घाटा उठाने वाली शाखाओं में परिवर्तन लाने के लिये उठाये गये कदमों में ये शामिल हैं :-

(1) अनिष्पादित ऋणों को सक्रिय करना ताकि उनका उन्नयन निष्पादित ऋण की श्रेणी में लाया जा सके।

(2) ऊपरी व्यय में कमी करना।

(3) निरंतर घाटा उठाने वाली शाखाओं को बंद किये जाने/उनका विलय किये जाने की जांच करना।

(4) उत्पादकता में सुधार करना, और

(5) नकदी जमाराशि में कमी करना, यदि यह अधिक हो।

(घ) और (ङ) 1990-95 की वर्तमान अवधि शाखा विस्तार नीति के अंतर्गत बिहार में 14 ग्रामीण केन्द्रों और 59 शहरी केन्द्रों को शाखा खोले जाने के लिये आबंटित किया गया है। इन केन्द्रों की विस्तृत जानकारी विवरण-II में दी गई है। नीचे देखिए) जहां तक अर्द्धशहरी केन्द्रों का संबंध है, बैंक अखिल भारत आधार पर उन्हें आबंटित कोटे के भीतर अपने पसंद के केन्द्रों में शाखायें खोलने के लिये स्वतंत्र हैं। अर्द्धशहरी केन्द्रों में शाखाएं खोलने के उद्देश्य से कोई राज्यवार कोटा आबंटित नहीं किया गया है।

विवरण-I

30-6-1993 की स्थिति के अनुसार बिहार में कार्यरत राष्ट्रीकृत बैंकों की शाखाओं की जिलावार संख्या

क्र. सं.	जिले का नाम	शाखा का नाम
1		2
1.	अररिया	41
2.	औरंगाबाद	42

1	2
3. बांका	51
4. बेगुसराय	81
5. भबुआ	36
6. भागलपुर	108
7. भोजपुर	49
8. बोकारो	91
9. बक्सर	36
10. चतरा	23
11. दरभंगा	60
12. देवधर	43
13. धनबाद	107
14. दुमका	61
15. गढ़वा	15
16. गया	103
17. गिरिडीह	80
18. गोड्डा	37
19. गोपालगंज	27
20. गुमला	33
21. हजारीबाग	104
22. जमुई	29
23. झानाबाद	39
24. कटिहार	67
25. खगरिया	19
26. किशनगंज	29
27. लोहरदगा	9
28. मधपुरा	35
29. मधुबनी	54
30. मुंगेर	59
31. मुजफ्फरपुर	101
32. नालंदा	41
33. नवादा	26
34. पलामू	48
35. पश्चिमी चंपारण	48
36. पश्चिमी सिंहभूम	71
37. पटना	255
38. पूर्वी चंपारण	82
39. पूर्वी सिंहभूम	99
40. पूर्णिया	55
41. रांची	123
42. रोहतास	54
43. सहरसा	32
44. साहेबगंज	56
45. समस्तीपुर	69
46. सारण	70
47. सीतामढ़ी	57
48. सिवान	48
49. सुपौल	45
50. वैशाली	47
राज्य जोड़ :	2995

विवरण–II

योजना 1990–95 के तहत बिहार में शाखाएं खोलने के लिए बैंकों को आवंटित केन्द्रों के ब्यौरे

बैंक का नाम	केन्द्र का नाम
क. ग्रामीण बैंक	
बैंक आफ इंडिया	जयरामपुर–जीनाजोर
भारतीय स्टेट बैंक	धनबाद
यूको बैंक	सुदामडीह कोलियारी सुदामडीह प्रोजेक्ट
पंजाब नेशनल बैंक	लाखीसारी–बभनगांवा

बैंक का नाम	केन्द्र का नाम
बैंक आफ इंडिया	बैंकुगुन,—कालदा–चाकुलिया–माताबंधी
	चकुलिया–मराठाकूरा
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	सहदाई–पोहियार
भारतीय स्टेट बैंक	मंझारी–जोजेबरा जोगमुरी-कम-जुग सलराई
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	बैसा–सीसाबरी (मिन)
भारतीय स्टेट बैंक	आमोर–गरूआ (मिन)
पंजाब नेशनल बैंक	तरिया–बेल्लारी
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	गोरोआल–रहासा
ख. शहरी केन्द्र	
इलाहाबाद बैंक	भागलपुर–कृषि बाजार यार्ड अलीगंज
भारतीय स्टेट बैंक	भागलपुर–नया गंज
इंडियन ओवरसीज बैंक	आरा–अनुमान नगर
भारतीय स्टेट बैंक	आरा–पकड़ी
इंडियन ओवरसीज बैंक	बोकारो स्टील सिटी–पुराना बाजार चास
भारतीय स्टेट बैंक	सिवान डीह
	सैक्टर 12, इंसाइड प्लांट
विजया बैंक	सैक्टर 9 डी
इंडियन ओवरसीज बैंक	दरभंगा–कथलवाड़ी
भारतीय स्टेट बैंक	दरभंगा–रहमगंज
बैंक आफ इंडिया	धनबाद उसपुर
बैंक आफ इंडिया	धनबाद–चास नारा
ओरियंटल बैंक आफ इंडिया	धनबाद–इंडस्ट्री कोलियारी
पंजाब नेशनल बैंक	धनबाद–चीरा गोरा
भारतीय स्टेट बैंक	धनबाद–जामादोबा
	धनबाद–विशेष एस एस आई ब्रांच
स्टेट बैंक आफ बिकानेर एंड जयपुर	धनबाद—गनागार पत्र
बैंक आफ इंडिया	गया–टेकना इंडस्ट्रीयल इस्टेट
पंजाब नैशनल बैंक	गया–बंदार्थ
	गया–चान्दौजी
	गया–ग्रीन मैदान
भारतीय स्टेट बैंक	कटिहार डी०आर०एम० आफिस
यूनियन बैंक आफ इंडिया	कटिहार–गोशाला
इंडियन ओवरसीज बैंक	कटिहार–इड. स्टेट. ब्रान्वे सिडेंट
इंडियन ओवरसीज बैंक	मुंगेर–कोरा मैदान
इलाहाबाद बैंक	मुज्जफरपुर–रेनोली
बैंक आफ बड़ोदा	मुज्जफरपुर–राम बाग

1	2
इंडियन ओवरसीज बैंक	मुजफ्फरपुर—कांचची पक्की
भारतीव स्टेट बैंक	मुज्जफरपुर–मीठा पुर
भारतीय स्टेट बैंक	बिहार शरीफ—बाड़ी पहांडी
विजया बैंक	बिहार शरीफ खंड़कपुर
बैंक आफ बड़ोदा	पटना–गुलजार बाग
बैंक आंफ बड़ोदा	पटना–श्रीकृष्ण
केनरा बैंक	पटना–बुद्ध कालोनी
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	पटना–पटेल नगर
इंडियन बैंक	पटना–न्यू पाटलीपुत्र
पंजाब नेशनल बैंक	पटना–फेनाइचक, पटना—गांधी नगर
भारतीय स्टेट बैंक	पटना–बोरिंग कोनल रोड राजापुल
बैंक आफ बड़ोदा	पटना—इंड०फाइनांस ब्रांच
बैंक आफ इंडिया	जमशेदपुर–मुइयाडीह
	जमशेदपुर–परड़ीह
बैंक आफ मदुरा	जमशेदपुर–कादमा
कैनरा बैंक	जमशेदपुर –टोइला डुन्गरी
ओरियंटल बैंक आफ कामर्स	जमशेदपुर–बिरसानगर
पंजाब नेशनल बैंक	जमशेदपुर–आसियाना कम्पलेक्स आदित्यपुर
भार. स्टेट बैंक	जमशेदपुर-एग्रीकलचर
स्टेट बैंक आफ बीकाने एण्ड जयपुर	जमशेदपुर शास्त्रीनगर
यूनियन बैंक आफ इण्डिया	जमशेदपुर-कालीमती रोड साकची
इलाहाबाद बैंक	रांची–हटिया मार्केट
बैंक आफ इंडिया	रांची कुचे रोड़
केनरा बैंक	रांची चुनिया
सैंट्रल बैंक आफ इंडिया	रांची–कांके रोड
कार० बैंक	रांची–धरमाखाना
पंजाब नेशनल बैंक	रांची–किशोर गंज
भारतीय स्टट बैंक	रांची–साल्ट पेंटेनाइट कोलोनी
केनरा बैंक	छारा–तेलवा
भारतीय स्टेट बैंक	छपरा–दौलत गंज

Bungling in Nationalised banks in UP

2625. SHRI ISH DUTT YADAV: Will the Minister of FINANCE be peased to state:

(a) whlat is the total number of cases of scam, bungling, looting and misappropriation of funds detected in the nationalised banks in Uttar Pradesh during the years 1991-92 and 1992-93 and what were the amounts of losses suffered by the nationalised banks every year as a result of these cases;

(b) what are the names of the banks, alongwith the places of their location, where such cases were detected and what are the details of the action taken against the guilty persons;